University in News on 04 March 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स कराएगा एलयू

लखनऊ। लखनऊ विवि में काफी संख्या में पढ़ने वाले छात्र ग्रामीण परिवेश से आते हैं। वे अंग्रेजी बोलने में हिचक महसूस करते हैं। इसे देखते हुए विधि संकाय द्वारा ऐसे विद्यार्थियों के लिए 10 मार्च से इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स शुरू करने जा रहा है। विशेषज्ञों के जरिये विद्यार्थियों की झिझक को दूर करने का प्रयास करेंगे। साथ ही एलएलबी तीनवर्षीय व पांचवर्षीय पाठ्यक्रम के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल क्लास शुरू करने का निर्णय लिया है। डीन प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि रिवीजन क्लास भी 4 मार्च से शुरू की जा रही है। (माई सिटी रिपोर्टर)

एलयू : केंद्रीय पुस्तकालय निकालेगा न्यूज लेटर

लखनऊ। लखनऊ विवि प्रशासन ने टैगोर पुस्तकालय स्थित साइबर पुस्तकालय के सुचारु रूप से संचालन के लिए एक साइबर पुस्तकालय प्रबंधन समिति गठित की है, जिसमें विभिन्न विभागों के चार छात्र व दो शिक्षक भी शामिल किए हैं। बृहस्पतिवार को इसकी पहली बैठक हुई। निर्णय लिया गया कि साइबर लाइब्रेरी में उपस्थिति अधिक होने के दौरान लैन आधारित नेटवर्किंग की जानी चाहिए। साइबर लाइब्रेरी से संबंधित सूचनाओं के लिए एक न्यूज लेटर प्रकाशित किया जाना चाहिए। समिति की समीक्षा बैठक हर माह के अंतिम शुक्रवार को की जाएगी। साथ ही डॉ. प्रवीश प्रकाश उप पुस्तकालयाध्यक्ष समिति के समन्वयक नामित किए गए हैं। इससे पहले समिति ने लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE II & 4

एक्स्ट्रा क्लास से पूरा कराया जाएगा लॉ डिपार्टमेंट में कोर्स

लखनऊ यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट में चलाई जाएंगी एक्स्ट्रा क्लास

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (3 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी के लॉ फैकेल्टी ने नए सेशन में लॉ के थ्री इयर व फाइव इयर कोर्सेज में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए एक्स्ट्रा क्लासेस व रिवीजन क्लासेस का संचालन शुक्रवार से शुरू होगा. इसके लिए टाइम टेबल जारी कर दिया गया है. क्लासेस 4 मार्च से 25 मार्च तक चलेंगी. डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि रिवीजन क्लासेस का पूरा टाइम टेबल व कौन शिक्षक क्लास किस विषय का क्लास लेगा. इसकी पूरी जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट और स्टूडेंट्स के वाट्सएप ग्रुप पर भेज दी गई है. प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि मार्च के लास्ट वीक से लॉ के थ्री व फाइव इयर के फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम शुरू होने हैं. दोनों कोर्सेज के फर्स्ट इयर के स्टूडेंट्स की ओर से शिकायत मिल रही थी कि कोरोना की तीसरी लहर, लेट एडमिशन और किसी कारण से ऑनलाइन क्लासेस नहीं कर पाएं है.

इंग्लिश स्पीकिंग की भी क्लास चलेगी

प्रो. सिंह ने बताया कि इसके साथ ही स्टूडेंट्स के हितों को देखते हुए डिपार्टमेंट लेवल पर इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स शुरू कर रहा है. इसके लिए इच्छुक स्टूडेंट्स फैकेल्टी में होने वाली क्लासेस में शामिल हो सकते हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

अंग्रेजी बोलना सीखेंगे विधि के विद्यार्थी

लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय में 10 से शुरू होंगी कक्षाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय अपने विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण देगा। यही नहीं, कमजोर विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाओं की भी शुरुआत की जाएगी। 10 मार्च से इसे शुरू करने की योजना बनाई गई है। ये कक्षाएं पूरी तरह से निश्शुल्क होंगी। गुरुवार को विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सीपी सिंह ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि एलएलबी में तमाम ऐसे विद्यार्थी भी हैं जो ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्हें अंग्रेजी बोलने में परेशानी होती है। इसलिए तय किया गया है कि इंग्लिश स्पीकिंग कक्षाएं शुरू की जाएं। विधि के जो भी विद्यार्थी इच्छुक हैं, वे इसमें शामिल हो सकते हैं। इनकी कक्षाएं दोपहर दो बजे से दो घंटे लगेंगी। इसके अलावा रेमेडियल कक्षाएं भी संचालित की जाएंगी। इसका समय सुबह नौ बजे से रहेगा। इसमें जूडिशरी की तैयारी करने वाले विद्यार्थी भी शामिल हो सकते हैं।

आज से होगी रिवीजन क्लास: विधि संकाय में शुक्रवार से एलएलबी तृतीय वर्ष और एलएलबी पांचवें वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए रिवीजन क्लास की शुरुआत होगी। जिन विद्यार्थियों को कोर्स से जुड़ी कोई समस्या है या जो आफलाइन कक्षाओं में नहीं आ पाए हैं, वे शामिल होकर तैयारी कर सकते हैं। इस संबंध में अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो.

साइबर पुस्तकालय प्रबंधन समिति गठित

लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित साइबर पुस्तकालय को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए साइबर पुस्तकालय प्रबंधन समिति गठित की गई है। इस समिति में विभिन्न विभागों के कुल चार छात्र तथा दो अध्यापक शामिल हैं। टैगोर पुस्तकालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. प्रवीश प्रकाश समिति के समन्वयक बनाए गए हैं। गुरुवार को पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. डीके सिंह की अध्यक्षता में सदस्यों की पहली बैठक हुई। उसके बाद सदस्यों ने साइबर लाइब्रेरी का निरीक्षण भी किया। साथ ही, वहां उपस्थित विद्यार्थियों से साइबर लाइब्रेरी से जुड़ी समस्याओं को जाना और सुझाव भी लिए। बैठक के बाद समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया कि साइबर लाइब्रेरी में इंटरनेट को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए वाई-फाई के स्थान पर लैन आधारित नेटवर्किंग की जानी चाहिए।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में डिप्लोमा कोर्स में दाखिले शुरू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, प्रमाणपत्र में जनवरी-2022 के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in के माध्यम से आनलाइन आवेदन फार्म भर सकते हैं। अभी इसकी अंतिम तिथि तय नहीं की गई है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत 13 अध्ययन केंद्र संचालित हैं। क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक नीरांजलि सिन्हा ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया जनवरी में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड संक्रमण की वजह से विलंब हुआ। अब स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों को छोड़कर डिप्लोमा आदि में आनलाइन माध्यम से प्रवेश के लिए फार्म भरने शुरू हो गए हैं। 27 पीजी डिप्लोमा, 20 डिप्लोमा, 28 प्रमाण पत्र कोर्स और 14 जागरूकता कार्यक्रम में प्रवेश लिए जा सकते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 6

लविवि में शुरू होगा साइबर पुस्तकालय

अमृत विचार, लखनऊ

विश्वविद्यालय में साइबर पुस्तकालय को संचालित करने के संबंध में बैठक करती समिति।

विश्वविद्यालय की टैगोर पुस्तकालय में स्थित साइबर पुस्तकालय को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए साइबर पुस्तकालय प्रबंधन समिति गठन किया गया है।

समिति में विभिन्न विभागों के कुल चार छात्र तथा दो अध्यापक शामिल किए गए हैं। डा. प्रवीश प्रकाश, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, टैगोर पुस्तकालय उक्त समिति के समन्वयक नामित किया गया है।

गुरुवार को आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा मनोनीत साइबर पुस्तकालय प्रबंधन समिति में डा. प्रवीश प्रकाश (समन्वयक) डा. किरनलता डंगवाल, डा. रजनीश यादव उपस्थित रहे।

सदस्यों में छात्र आयुषी चौरसिया, सुरभि शर्मा एवं अर्जन चौरहरी ने भी अपनी उपस्थिति दर्शाई है। सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साइबर लाइब्रेरी में छात्रों की उपस्थिति अधिक होने के दौरान इंटरनेट को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए वाई-फाई के स्थान पर लैन आधारित नेटवर्किंग की जानी चाहिए। बताया गया कि समिति की समीक्षा माह के अंतिम शुक्रवार को होगी। आयोजन डा. ज्योति मिश्रा ने किया है।

PIONEER PAGE 3

लॉ फैकल्टी में कोर्स पूरा कराने को लेकर अतिरिक्त क्लासेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के लॉ फैकेल्टी ने नए सत्र 2022-23 में लॉ के थ्री इयर व फाइव इयर कोर्सेज में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए अतिरिक्त क्लासेस व रिवीजन क्लासेस का संचालन शुक्रवार से शुरू करने जा रहा हैं। इसके लिए विधि प्रशासन ने अतिरिक्त क्लासेस व रिवीजन क्लासेस का पूरा टाइम टेबल जारी कर दिया हैं। यह क्लासेस चार मार्च से शुरू होकर 25 मार्च तक आयोजित होंगी। डीन लॉ प्रो सीपी सिंह ने बताया कि रिवीजन क्लासेस का पूरा टाइम टेबल व कौन शिक्षक क्लास किस विषय का क्लास लेगा। इसकी पूरी जानकारी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट और स्टूडेंट्स के व्हाट्सएप ग्रुपों पर भेज दी गई है। स्टूडेंट्स लगातार कोर्स पूरा न होने की शिकायत कर रहे थे। प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि मार्च के लास्ट वीक से लॉ के थ्री व फाइव इयर के फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम शुरू होना हैं। उन्होंने बताया कि इन दोनों कोर्सेज के फर्स्ट इयर के स्टूडेंट्स की ओर से लगातार शिकायत मिल रही थी कि कोरोना संक्रमण की संभावित तीसरी लहर, लेट एडमिशन और किसी कारण से ऑनलाइन क्लासेस नहीं कर पाएं है। जिस कारण उनका सिलेबस नहीं पूरा हो पाया हैं। स्टूडेंट्स की मांग को देखते हुए थ्री व फाइव इयर के फर्स्ट सेमेस्टर के सभी विषयों की क्लासेस चरणबद्ध तरीके से लगाया गया हैं। जिसे एग्जाम शुरू होने से पहले स्टूडेंट्स का सिलेबस पूरा कराया जा सके।

परीक्षा नियंत्रक से मिले छात्र, मिला आश्वासन

लखनऊ। लखनऊ विवि के एलएलबी आनर्स सातवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में मिले कम अंको को लेकर छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक से गुरूवार को मुलाकात की। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक ने जांच का आश्वासन दिया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी छात्रों की समस्या को सुनते हुए कहा कि पूरा डाटा मांगा गया है, जो समस्या होगी उसे दूर किया जायेगा। बता दें कि छात्रों ने बीते सोमवार को विवि के नए परिसर में लॉ डिपार्टमेंट में प्रदर्शन किया था। वहीं इसी समस्या को लेकर बुधवार को भी के पुराने परिसर में सम्बद्ध सिटी लॉ कॉलेजों के छात्रों ने परिसर

THE PIONEER PAGE 2

LU first state univ to be included in QS World University rankings

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University is the only state university to have been recognised by the QS World University Rankings. It has found itself on the prestigious and distinguished list of Asian University Ranings 2022. LU is among the 12 Indian universities ranked for the first time.

DSW Poonam Tandon said that QS Quacquarelli Symonds is the world's leading agency to rank universities and educational institutions in the global higher education sector and the world's most popular source of comparative data about university performance.

"The QS rankings provide methodical evaluations of key areas of higher education institution which influences the way students and institutions engage in higher education. It is quite an achievement for LU as there are about 131 Indian universities (IITs and public, private, central universities) that appeared in the ranking list of Asian University Rankings 2022," she said.

Vice-Chancellor AK Rai expressed commitment to enhance the quality of education and take it to a higher level in the coming time.

He acknowledged the efforts of all the stakeholders, including students, teachers, and staff for positioning the university among top-ranked global higher education institutions and increasing its visibility.

It further opens the door for implementation of the NEP-2020 action plans of the university related to internationalisation, collaboration, and developing digital university.

LU has also been recognised by multiple international and national ranking agencies, including Times Higher Educations Ranking 2021, UNI Rank 2021, Education World Rankings 2021, Webometrics Ranking 2021, and NIRF 2021.

Further, this acknowledgement from QS World University Rankings adds to the accomplishments of the university.

TRUE TIMES PAGE 2

विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण हेतु छात्र केंद्रित दृष्टिकोण की महती भूमिका

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के विजन और मिशन की परिकल्पना के अनुसार मानव विकास के लिए एक सुव्यवस्थित समर्थन प्रणाली का होना नितांत अनिवार्य है। उच्च शिक्षा संस्थानों में, एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक मजबूत समर्थन प्रणाली, पर ही विकसित हो सकता है।

विश्वविद्यालय में छात्र सहायता प्रणाली को मजबूत करने के लिए, एनईपी 2020 सुधारों के क्रियान्वयन की दिशा में, प्रो आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता सहित कई उपायों के माध्यम से पहुंच, सहयोग एवं समावेश बढ़ाने के लिए छात्र केंद्रित पहल पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके साथ ही छात्रों के साथ सलाह और परामर्श से स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधित उपाय परिसर को विकसित करने मे प्रभावी योगदान होता है। विश्वविद्यालय में डीन स्टूडेंट वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) छात्र केंद्रित सहायता प्रणाली के निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को तैयार करने, लागू करने और मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रो. पूनम टंडन, डीन स्टूडेंट वेलफेयर के पिछले दो वर्षों के कार्यकाल में छात्र केंद्रित परिसर तैयार करने के लिए, अनेक चुनौतियों से निपटने के लिए कडी मेहनत से लागू किए गए निश्चय प्रभावी कदम शामिल हैं।

कर्मयोगी, छात्र कल्याण, शोध मेधा, और अर्पण -एडाप्ट ए ब्रेन इत्यादि योजनाएँ जो छात्र हित मे छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता एवं अन्य अवसर प्रदान करती हैं जिनमे ओपीडी योजना, ट्री योजना, संरक्षण योजना, मेधावी छात्र परिषद, हैप्पी थिंकिंग लैब, परामर्श और मार्गदर्शन सेल, वीसी के साथ कॉफी जैसी सलाह और परामर्श पहल, और परिसर मे सुविधाओं के विकास जैसे हीमोग्लोबिन और स्वास्थ्य जांच शिविर, सभी लड़कियों के छात्रावासों और अन्य महिला शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और भस्मक, दोनों परिसरों में समर्पित सफाईकर्मियों के साथ लड़कियों के शौचालय, सभी 17 छात्रावासों में ओपन जिम, इलेक्ट्रिक रिक्शा और दिव्यांगजन कैंटीन शामिल हैं। छात्रों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए डीएसडब्ल्यू द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित कई सतत गतिविधियों में से प्रमुख हैं - स्टूडेंट लाउंज के साथ स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर की स्थापना और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, चीफ प्रोवोस्ट, डायरेक्टर इंटरनेशनल प्रोग्राम्स और एक ही छत के नीचे एडमिशन के कार्यालयों की स्थापना जिससे छात्रों को और सुविधा हुई है।

विश्वविद्यालय के दो परिसरों में फैले लगभग 18000 छात्रों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए इस तरह की गतिविधियों के लिए कई हाथों की आवश्यकता होती है। अऐं इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से लगे शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के माध्यम से अपने कार्यों को निष्पादित करता है। इस हेतु 13 शिक्षकों को मुख्य परिसर के लिए डीएसडब्ल्यू टीम मे शामिल किया गया है। इसी क्रम मे नए परिसर के लिए 10 शिक्षकों को डीएसडब्ल्यू टीम मे जोड़ा गया है।

प्रेरणास्रोत कुलपति प्रो. राय के प्रखर मार्गदर्शन एवं नेतृत्व मे प्रो. पूनम टंडन ने टीम के सभी सदस्यों के साथ दोनों परिसरों में छात्र अनुकूल वातावरण के निर्माण के लिए उत्साह के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।